लोकतंत्र की आत्मा है - संवाद

हरियाणा संवाद

पाक्षिक : 1 - 15 सितंबर, 2023 www.haryanasamvad.gov.in अंक - 73

"वैज्ञानिक अनुसंधान संत मन से होने चाहिएं। ये अनुसंधान वहीं पहुंचेंगे जहां हमारे ऋषि मुनि पहले ही पहुंच चुके हैं।
: रामानंदाचार्य

बदलते मौसम में बुखार बरतें एहतियात 3

किसानों के साथ खड़ी हरियाणा सरकार 5

देशभक्ति के रंगों से सराबोर रहा सांग उत्सव 8

आओ तुम्हें चांद पर ले जाएं

- धरती से चांद की दूरी 3 लाख 84 किलोमीटर है, जिसे तय करने में चंद्रयान-3 को 40 दिन लगे।
- चंद्रयान- 3 मिशन पर कुल 615 करोड़ खर्च आया।
- अमेरिका, चीन व रूस के बाद चांद की सतह पर उतरने वाला चौथा देश बना भारत
- चांद के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला पहला देश भारत

मनोज प्रभाकर

23 दिसंबर शाम छह बजकर दो मिनट पर चंद्रयान-3 ने चांद पर हौले से कदम रख दिए। लैंडर (विक्रम) के कपाट खुलते ही रोवर (प्रज्ञान) महाराज प्रकट हुए और उन्होंने चांद की सतह पर चहलकदमी शुरू कर दी। तभी से उन्होंने अपना अन्वेषण अभियान भी शुरू कर दिया। रोवर वहां 14 दिन तक चांद की खोज ख़बर लेगा और उसकी रिपोर्ट भारतीय स्पेस एजेंसी इसरो को प्रेषित करेगा।

पृथ्वी की हर गतिविधि को प्रभावित करने वाले चांद पर पृथ्वी के मानव की निगाहें टिकी हैं। मानव चांद पर जीवन तलाशना चाहता है जबकि सच यह भी है कि चांद के बिना पृथ्वी पर जीवन की संभावना क्षीण है। चंद्रमा पृथ्वी की गति को जीवन के अनुकूल बनाता है। जल व थल के प्रभाव की बात तो बड़ी है, चंद्रमा का प्रभाव तो मानव के व्यवहार पर भी माना जाता है।

फिलहाल भारत ने चांद पर तिरंगा फहरा दिया है। अब सवाल यह है कि चंद्रयान-3 के अभियान से हासिल क्या होगा ? वैज्ञानिकों का मानना है कि इस यात्रा से अंतिरक्ष संबंधी कई सवालों के जवाब मिल सकेंगे। चंद्रयान के जरिये सैंकड़ों तरह के चित्र और आंकड़े मिलेंगे जिनके आधार पर हम पृथ्वी, सूर्य और आकाश गंगा के तमाम अनजान सितारों के बारे में सूचनाएं नए सिरे से तलाश सकेंगे। यहां से कुछ ऐसे तथ्य व आंकड़े भी मिल सकते हैं जो खगोलीय सुरक्षा का ढांचा बनाने में मदद करेंगे।

इसके अलावा उपलब्ध आंकड़ों से वहां ठोस, दृव्य, गैस के रूप में तत्वों की मौजूदगी, उनकी मात्रा, बनावट, प्रकार की जानकारी भी मिल सकेगी। चंद्रमा पर सोडियम बहुत ज्यादा बताया जाता है, यान में लगे एक्सरे स्पेक्ट्रोमीटर इसकी विस्तृत जानकारी देंगे। कहते हैं चांद पर हिलियम-3 ज्यादा मात्रा में उपलब्ध है जबकि धरती पर न के बराबर। हिलियम को परमाणु कार्यक्रम के लिए खास माना जाता है तथा ऊर्जा का स्वच्छ स्रोत भी। सल्फर, प्लेटिनम, प्लाडियम, मैग्नशियम और सिलिकॉन भी प्रचूर मात्रा में बताया जाता है।

अंतरिक्ष में जीवन की खोज की दिशा में इस यान की अहम भूमिका रहेगी। इसमें खास उपकरण लगा है जो चंद्रमा की सतह से धरती पर जीवन के पैरामीटर रिकॉर्ड करेगा। फिर उन्हें आकाशगंगा के अन्य तारों व ग्रहों का अध्ययन कर उन पैरामीटर के आधार पर परखेगा जिसके आधार पर कहीं और भी जीवन की संभावनाओं को तलाशा जा सके। ऐसी तमाम सूचनाएं भारत को बड़ी अंतरिक्ष ताकत बनाने में मददगार होंगी। इस दिशा में आगे चल रहे अन्य देश भारत के साथ समन्वय बनाएंगे। सूचनाओं की साझेदारी बढ़ेगी तो प्रगति के नए आयाम खुलेंगे।

भारत का अगला लक्ष्य सूर्य व शुक्रः मोदी

इसरो अध्यक्ष एस सोमनाथ व उनकी पूरी टीम बधाई की पात्र है। उन सभी को देश की जनता की ओर से कोटि कोटि बधाई। आज हम अंतरिक्ष में नए भारत की नई उड़ान के साक्षी बने हैं। देश के सभी वैज्ञानिकों को जी-जान से बधाई देता हूं, जिन्होंने इस क्षण के लिए वर्षों परिश्रम किया। वैज्ञानिकों के इस परिश्रम से भारत उस दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचा है, जहां आज तक दुनिया का कोई भी देश नहीं पहुंचा है। आज के बाद से चांद से जुड़े मिथक बदल जाएंगे, कथानक बदल जाएंगे और नई पीढ़ी के लिए कहावतें भी बदल जाएंगी। चंद्रयान की सफलता के बाद अब सूर्य और शुक्र ग्रह की बारी है। हमारे वैज्ञानिक आदित्य एल-1 और गगनयान की तैयारियों में जुटे हैं।

वैज्ञानिकों ने चंद्रयान-3 की लैंडिंग के साथ इतिहास रच दिया है। मैं इसरो, चंद्रयान-3 मिशन में शामिल सभी लोगों को बधाई देती हूं और उन्हें और आगे बढ़ने की शुभकामनाएं देती हूं।

श्रीमती द्रौपदी मुर्मू, राष्ट्रपति

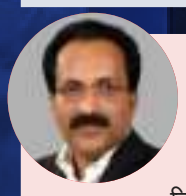

आखिरी 73 दिन मिशन से जुड़े सभी वैज्ञानिक दिन-रात चंद्रयान-3 के अलग-अलग हिस्सों में काम करते रहे। घर जाने का मौका बहुत कम मिला। मिशन में निदेशक पी वीरामुत्थुवल, श्रीकांत, एम शंकरन, उप निदेशक डा. कल्पना के अलावा उनकी पूरी टीम की मेहनत रंग लाई। आज उनकी खुशी का कोई ठिकाना नहीं है।

डॉ. एस. सोमनाथ, इसरो अध्यक्ष

चांद पर तिरंगा : मनोहर लाल

हर घर लहराने वाला तिरंगा अब चांद पर भी लहरा रहा है। चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचकर अंतरिक्ष में यह इतिहास रचने वाला भारत दुनिया का पहला देश बन गया है। खुशी और कामयाबी के इस महान अवसर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने देशवासियों व प्रदेशवासियों सहित भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के वैज्ञानिकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वैज्ञानिकों के कौशल, बुद्धिमता और साहस के बल पर ही हम इस ऊंची उपलब्धि को हासिल कर सके हैं। यह उपलब्धि हमारी ही नहीं अपितु समूचे मानव समुदाय की है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद किया और कहा कि उन्होंने हर पल वैज्ञानिकों का मनोबल बढ़ाया और उन्हें प्रोत्साहित किया। यह मिशन भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के प्रधानमंत्री के संकल्प को पूरा करने में मील का पत्थर साबित होगा।

मिशन में हरियाणा का विशेष योगदान

- चंद्रयान-3 अभियान में हरियाणा से रोहतक का विशेष योगदान रहा। नट बोल्ट बनाने वाली कंपनी एलपीएस बोसार्ड की ओर से भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन को फास्टनर्स (विभिन्न प्रकार के नट बोल्ट) भेजे गए थे।
- चंद्रयान-3 को चंद्रमा तक ले जाने के लिए जो विशेष लॉन्चर तैयार किया उसे हल्का व मजबूत बनाने पर विशेष ध्यान दिया जाता है। इसके चलते बड़े व भारी नटों के बजाय एक एमएम वाले करीब डेढ़ लाख नट बोल्ट एलपीएस की ओर से भेजे गए थे। ये नट बोल्ट न केवल हल्के होते हैं, बल्कि बेहद मजबूत भी होते हैं।
- बोसार्ड के एमडी राजेश जैन ने बताया कि चंद्रयान 3 की सफल लैंडिंग भारत के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। इसे हम अपनी सफलता भी मानते हैं। पिछले साल सितंबर में ही इसरो को कलपुर्जे उपलब्ध करवा दिए गए थे। उन्होंने कहा कि वे कई दिनों से चंद्रयान की सफलता के लिए पूजा पाठ कर रहे थे।
- करनाल के वैज्ञानिकः इसरो के चंद्रयान अभियान में करनाल से दीपांशु गर्ग व उनकी पत्नी ऐश्वार्य भी शामिल हैं। दोनों इसरो में छह साल से वैज्ञानिक हैं।

आज चांदनी की नगरी में अरमानों का मेला

चंद्रयान के सफल अभियान पर पूरे देश में खुशी का आलम छाया रहा। लोगों ने ढोल नगाड़े बजाए और मिठाइयां बांटकर एक दूसरे को बधाइयां दी। ऐसे लग रहा था जैसे होली-दिवाली एक साथ मनाई जा रही हों। इतना ही नहीं लोग चांद पर बने फिल्मी गानों को खूब गुनगुना रहे थे। लता जी का गीत- 'आओ तुम्हें चांद पर ले जाएं, प्यार भरे सपने सजाएं। छोटा सा बंगला बनाएं, एक नई दुनिया बसाएं।' इन्हीं का गाया एक और गीत, 'रुक जा रात ठहर जा रे चंदा, बीते ना मिलन की बेला। आज चांदनी की नगरी में अरमानों का मेला।' खूब गुनगुनाया गया। इसके अलावा 'चौदहवीं का चांद', 'चलो दिलदार चलो, चांद के पार चलो' तथा 'वो चांद खिला, वो तारे हंसे। ये रात अजब मतवारी है, समझने वाले समझ गए हैं, ना समझे वो अनाड़ी हैं'। की खूब ठमक रही।

संपादकीय

बेहतर व सरल हो चली ज़िंदग़ी मेरे प्रदेश में

यह कोई मामूली उपलब्धि नहीं और अब यह प्रदेश के आम आदमी की जुबान पर भी आने लगी है। अब चौक-चौपालों पर यह चर्चा भी होने लगी है कि प्रदेश में व्यवस्था-परिवर्तन के माध्यम से गत नौ वर्षों में लोगों की ज़िंदग़ी पहले की तुलना में सहज, सुगम व सरल बनी है। इसके साथ ही जन-संवाद कार्यक्रमों के माध्यम से भी सीधा संवाद भी स्थापित हुआ है।

अब घर बैठे ही लोगों के काम हो रहे हैं, चाहे वह वृद्धावस्था सम्मान भत्ता योजना, राशन कार्ड या जाति-प्रमाण पत्र बनवाना हो। पिछले तीन महीनों में हुए मुख्यमंत्री के जनसंवाद कार्यक्रमों के दौरान लोगों ने इस कार्य पर मोहर लगाई है। 2 अप्रैल, 2023 से भिवानी जिले के खरक कलां गांव से आरंभ हुए जनसंवाद कार्यक्रम के सात दौर पूरे हो सके हैं और इस दौरान मुख्यमंत्री 60 से अधिक बड़े गांवों में जनसंवाद कर चुके हैं।

मुख्यमंत्री ने तय किया है क कम से कम 300 बड़े गांवों में जनसंवाद करेंगे और इस दौरान मुख्यमंत्री स्वयं गांव वालों से पूछते हैं कि पिछले नौ वर्षों में सरकार का कोई भी एक कार्य बताओ जो आप लोगों को सबसे ज्यादा पसंद आया हो, तो लोग भी कहते हैं कि दफ्तरों के चक्कर काटने से आप ने छुटकारा दिला दिया है। अब बुढ़ापा सम्मान पेंशन सहित अन्य सभी योजनाओं का लाभ मिल रहा है।

अन्य सभी योजनाओं का लाभ भी अपने आप मिलना शुरू हो गया है। अब सरपंच, लंबरदार, बीडीओ या किसी सरकारी बाबू के पास गिड़गिड़ाने की ज़रूरत नहीं पड़ती है। अध्यापक स्थानांतरण नीति की शुरुआत ऐसी हो गई है कि अब मास्टर जी को स्कूल में ही रहना पड़ता है और ट्रांसफर के लिए किसी बिचौलिए को पकड़ कर चंडीगढ़ जाने की आवश्यकता नहीं पड़ती है। यह सभी फैसले सराहनीय भी हैं और उत्साहवर्धक भी।

-डा. चंद्र त्रिखा

आयुष्मान भारत-चिरायु का विस्तार

अब तीन लाख रुपए वार्षिक आय तक वाले परिवारों को मिलेगा लाभ

आयुष्मान भारत-चिरायु हरियाणा योजना के विस्तारीकरण पोर्टल का लॉन्च किया गया है। अब इस योजना के तहत 1.80 लाख रुपए से 3 लाख रुपए वार्षिक आय वाले परिवारों को भी 5 लाख रुपए तक के इलाज का लाभ मिलेगा। इसके लिए ऐसे परिवारों को मात्र 1500 रुपए वार्षिक का अंशदान देना होगा। इस योजना के विस्तार से प्रदेश के 8 लाख और परिवार लाभान्वित होंगे।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने योजना के विस्तारीकरण पोर्टल लॉन्च किया। इस मौके पर उन्होंने महमदकी गांव की जसविंदर कौर का पंजीकरण करवाया, जिससे वे इस योजना की पहली पंजीकृत लाभार्थी बनीं। इसके बाद फतेहाबाद की ही दीपिका का भी मौके पर ही पंजीकरण किया गया।

आयुष्मान भारत योजना में 1.20 लाख रुपए सालाना आय वाले परिवारों को शामिल किया गया था, जिनका नाम एसईसीसी-2011 के डाटा में था, इससे प्रदेश के लगभग 9.36 लाख परिवारों को लाभ मिला। हरियाणा सरकार ने अधिक से अधिक लोगों को इस योजना का लाभ देने के उद्देश्य से इस योजना का दायरा बढ़ाते हुए चिरायु हरियाणा योजना शुरू की और सालाना आय की सीमा को 1.20 लाख रुपये से बढ़ाकर 1.80 लाख रुपये किया। इससे प्रदेश के लगभग 28 लाख से अधिक परिवार लाभान्वित हुए। अब जिन लोगों की आमदनी 1 लाख 80 हजार रुपए से ज्यादा और 3 लाख रुपए वार्षिक से कम होगी, वे परिवार भी मात्र 1500 रुपए का वार्षिक प्रीमियम देकर इस योजना का लाभ प्राप्त कर सकेंगे। इस प्रकार, आयुष्मान भारत चिरायु हरियाणा योजना में लाभ लेने वाले परिवारों की संख्या लगभग 38 लाख हो जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के 965 अस्पताल पैनल पर होंगे, जिनमें 175 सरकारी और बाकी निजी अस्पताल शामिल होंगे, जहां आयुष्मान योजना के तहत पात्र परिवार लाभ ले सकेंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 85.38 लाख आयुष्मान कार्ड बनाये जा चुके हैं तथा 7.15 लाख लाभार्थियों ने ईलाज की सुविधा का लाभ लिया है, जिस पर सरकार ने 919 करोड़ रुपए की राशि वहन की है।

व्यवस्था परिवर्तन से हुआ समान विकास

विशेष प्रतिनिधि

मनोहर सरकार के पिछले लगभग 9 सालों के कार्यकाल को व्यवस्था परिवर्तन का काल कहा जाए तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। सत्ता संभालते ही मुख्यमंत्री ने आमजन के जीवन को सहज बनाने के लिए जो पहलें की थीं, वे आज अपनी गति पर हैं। प्रदेश के तमाम जरूरतमंद परिवारों को सरकारी योजनाओं व सुविधाओं का लाभ मिल रहा है।

मनोहर लाल ने आईटी का प्रयोग करते हुए बड़ा व्यवस्था परिवर्तन कर राजकाज की व्यवस्था को ऑनलाइन किया। सरकार ने ग्राम स्तर तक अंत्योदय सरल केंद्र, अटल सेवा केंद्र खोले, जिससे नागरिकों को सरकार की योजनाओं व सेवाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए दफ्तरों के चक्कर लगाने से मुक्ति मिली। आज इन केंद्रों के माध्यम से प्रदेशवासियों को 50 से अधिक विभागों की 680 से अधिक योजनाएं व सेवाएं मुहैया करवाई जा रही हैं। इतना ही नहीं, सामाजिक परिवेश में परिवार एक इकाई होता है, इसलिए परिवार की पहचान हेतु मुख्यमंत्री ने परिवार पहचान पत्र नामक एक महत्वाकांक्षी योजना शुरू की। इसके तहत प्रदेश के सभी परिवारों का डाटा एकत्रित किया गया और प्रत्येक सदस्य की आय, रोजगार इत्यादि सभी जानकारियां एक प्लेटफॉर्म पर दर्ज हैं, जिसके आधार पर सरकार ने आय सीमा के अनुसार प्रदेश के अति गरीब परिवारों को सदस्य अनुसार शिक्षा, स्वास्थ्य व रोजगार इत्यादि सुविधाएं मुहैया करवा रही हैं।

सलाहकार संपादक : डा. चंद्र त्रिखा
सह संपादक : मनोज प्रभाकर
स्टाफ राइटर : संगीता शर्मा
संपादन सहायक : सुरेंद्र बांसल
चित्रांकन एवं डिज़ाइन : गुरप्रीत सिंह
डिजिटल सपोर्ट : विकास डांगी

शिक्षा पर पूरा ध्यान

हरियाणा एक-हरियाणवी एक को आधार मानते हुए मुख्यमंत्री ने 5 एस यानी- शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, स्वावलंबन और स्वाभिमान को जो नारा दिया, उसे पूरा करके दिखाया। प्रदेश में शिक्षा के स्तर को ऊंचा उठाने के लिए राज्य सरकार ने आमूलचूल परिवर्तन किए हैं। वर्ष 2014 के बाद से लगातार शिक्षा क्षेत्र के लिए बजट में वृद्धि की और स्कूलों में अच्छा स्टाफ व अन्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने पर बल दिया ताकि बच्चों को बेहतर शिक्षा मिल सके। हरियाणा पहला ऐसा राज्य बना जिसने आईटी के युग में 10वीं से 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों को लगभग 5 लाख मुफ्त टैबलेट प्रदान किए, ताकि बच्चे आज के युग के साथ आगे बढ़ सकें। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को राष्ट्रीय लक्ष्य यानी वर्ष 2030 से पहले वर्ष 2025 में ही हरियाणा में पूर्ण रूप से लागू करने का निर्णय राज्य सरकार ने लिया है और 2025 तक ऐसा करने वाला हरियाणा पहला राज्य होगा।

सेहत को प्राथमिकता

प्रदेश के नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया करवाने के लिए मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में पिछले लगभग 9 सालों में सरकार ने स्वास्थ्य के आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ किया। चिकित्सों की संख्या बढ़ाने के लिए भी सरकार ने कई कदम उठाए। वर्ष 2014 में जहां प्रदेश में केवल 700 एमबीबीएस की सीटें थी, राज्य सरकार ने पिछले 9 सालों के दौरान नये मेडिकल कॉलेज खोलकर एमबीबीएस की सीटों को 1835 तक लाने का काम किया है। प्रदेश में नये नर्सिंग कॉलेज भी स्थापित किए जा रहे हैं।

कानून एवं व्यवस्था मजबूत

मुख्यमंत्री कहते हैं कि एक बेटी के पढ़ने से उनके परिवार की कई पीढ़ियां शिक्षित हो जाती हैं। पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया। पुलिस में भी महिलाओं की संख्या को 15 प्रतिशत तक ले जाने का सरकार का लक्ष्य है। सरकार ने राज्य में 33 नए महिला थाने और 239 महिला हेल्प डेस्क स्थापित किए हैं।

स्वरोजगार के ऋण

मुख्यमंत्री ने सत्ता संभालते ही प्रदेश के अति गरीब परिवारों व नागरिकों के उत्थान का जो संकल्प लिया था, उसे पूरा भी किया। सरकार के सतत प्रयासों के फलस्वरूप बैंकों के माध्यम से आज लगभग 50 हजार लोगों को ऋण उपलब्ध करवाया गया है, जिससे लोगों ने स्वरोजगार स्थापित किए हैं। ये लोग आज 15 हजार रुपये से 20 हजार रुपए प्रति माह आय अर्जित कर अपने परिवार को संभाल रहे हैं। 2014 के बाद से वर्तमान सरकार के कार्यकाल के दौरान राज्य ने हर क्षेत्र में प्रगति की है।

उद्योग एवं वाणिज्य विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के मुताबिक सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों को इंटरनेशनल एग्जीबिशन लगाने के लिए 5.50 लाख तथा नेशनल एग्जीबिशन के लिए 3.75 लाख रुपए तक की सहायता दी जाएगी।

केंद्र सरकार ने नेशनल कैपिटल रीज़न प्लानिंग बोर्ड की बैठक में हरियाणा को क़रीब 461 करोड़ रुपए के आठ नए प्रोजेक्ट्स दिये हैं। इन प्रोजेक्ट्स से प्रदेश में विकास का पहिया और तेज़ गति से घूमेगा।

निगम के तहत 746 उम्मीदवारों को नौकरी का प्रस्ताव

हरियाणा कौशल रोजगार निगम के तहत 22 अगस्त को विभिन्न पदों के लिए प्राप्त आवेदनों को शॉर्टलिस्ट करते हुए 746 उम्मीदवारों को एक क्लिक से जॉब ऑफर लेटर भेजे गए। 15 दिनों में युवाओं को सेवा में आने का विकल्प देना होगा।

जिन उम्मीदवारों को शॉर्ट लिस्ट किया गया, उनमें लेवल-1 से लेवल-3 तक के पद शामिल हैं। इन पदों में सहायक लाइनमैन के सर्वाधिक 227, ड्राइवर (ईआरवी) के 55, फायरमैन/फायर ड्राइवर के 47, डाटा एंट्री ऑपरेटर के 46, ब्लॉक क्लस्टर कॉर्डिनेटर के 42, ड्राइवर के 40, जेई (सिविल) के 31, स्वीपर के 30, आयुष योग सहायक के 20, लिपिक के 15, लीगल असिस्टेंट के 11, अकाउंट्स क्लर्क के 7 पदों सहित अन्य विभिन्न पद शामिल हैं।

रोजगार निगम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के मकरंद पाण्डुरंग ने बताया कि आउटसोर्सिंग पॉलिसी के तहत विभिन्न विभागों में अनुबंध आधार पर रखे कर्मचारियों को ठेकेदारों के शोषण बचाने के लिए एचकेआरएन का गठन कर रोजगार दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने स्पष्ट किया है कि कुछ लोग भ्रम फैला रहे हैं कि एचकेआरएन में विभिन प्रकार के लालच देकर लोगों का काम हो रहा है, यह सरासर गलत है। मुख्यमंत्री ने आम लोगों से आग्रह किया कि एचकेआरएन में किसी भी कार्य के लिए किसी भी तरह के प्रलोभन में न आए, क्योंकि निगम के तहत पूरी ईमानदारी व पारदर्शी तरीके से रोजगार के अवसर दिये जा रहे हैं। **-संवाद ब्यूरो**

बदलते मौसम में बुखार बरतें एहतियात

बरसात के बाद बुखार के मामले बढ़ रहे हैं। डेंगू का प्रकोप परेशान कर रहा है। जन सामान्य को इस पर विशेष सावधानी रखनी अनिवार्य है। मेडिसन विभाग के डा. गजराज कौशिक ने बताया कि बुखार में उपचार से पूर्व यह तय करना होता है कि सामान्य बुखार है या डेंगू। डेंगू बुखार मादा मच्छरों व एडीज एजिप्टी मच्छरों के काटन से होता है। इसमें अचानक तेज बुखार होता है, जोड़ों व मांसपेशियों में ज्यादा दर्द होता है। त्वचार पर कहीं कहीं गोल चकते बन सकते हैं। बुखार का असर ज्यादा होने पर रक्त की प्लेटलेट्स कम होने का खतरा बना रहता है। नाक अथवा मसूडों से रक्त आना, सांस लेने में परेशानी, हाथ, चेहरा या पैरों में सूजन या निम्न रक्तचाप की समस्याएं हो सकती हैं। ऐसे में बिना किसी टालमटोल के डाक्टर के पास जाना चाहिए।

सामान्य वायरल में बुखार धीरे धीरे चढ़ता है। गले में खराश, खांसी, नाक बहना, थकान, इसके मुख्यतः लक्षण होते हैं। डा. कौशिक बताते हैं कि बुखार व दर्द की कुछ दवाइयां प्लेटलेट्स पर बुरा असर डालती हैं। ऐसे में खुद से दवा न लें। एंटीबायोटिक दवाओं से दूरी बनाएं। हल्का भोजन करें।

जड़ी बुटियों का सेवन

आयुष यूनिवर्सिटी के आयुर्वेदाचार्य राजेंद्र कुमार ने कहते हैं डेंगू बुखार में कई जड़ी बूटियां मसलन गिलोय, तुलसी, मजिष्ठा, मुलैठी, व आंवला का अच्छा असर देखने को मिलता है। इसी तरह हल्दी व अदरक प्राकृतिक दर्दनिवारक दवा मानी जाती हैं। उन्होंने कहा कि इन सभी की मात्रा का ध्यान रखना चाहिए। गिलोय या आंवला यदि चूर्ण रूप में है तो दिन में तीन से छह ग्राम तक ले सकते हैं। यह मरीज की उम्र या स्थिति पर निर्भर करता है। जूस लेते हैं तो एक दिन में 20 से 25 मिलीग्राम तक ले सकते हैं। तुलसी को काढ़े के तौर पर ही लें तथा हल्दी दिन में एक से दो ग्राम तक ही लें। आयुर्वेदिक व एलोपैथिक दवाओं के सेवन के बीच कम से कम आधे घंटे का अंतर रखें।

हर्बल चाय, ओआरएस, नारियल का पानी व ताजे फलों का जूस फायदेमंद रहते हैं। आसानी से पचने वाले आहार ही लें जैसे खिचड़ी, दलिया या सूप। जंक फूड से बचकर रहें। मेथी, धनिया व जीरा नियमित भोजन में शामिल करें।

घर के आसपास सफाई रखें। कहीं पानी न जमा होने दें। मच्छरों से दूरी बनाने के लिए नीम का तेल, यूकेलिप्टस का तेल इस्तेमाल किया जा सकता है।

सरकारी अस्पतालों में डेंगू की जांच निशुल्क

राज्य के सरकारी अस्पतालों में डेंगू का टेस्ट फ्री किया जाता है। प्लेटलेट्स भी निशुल्क चढ़ाए जाते हैं। सिंगल डोनर प्लेटलेट्स की सुविधा गुरुग्राम, करनाल, पंचकूला, रोहतक, सोनीपत, फरीदाबाद और हिसार पर मुहैया करवाई जा रही है। प्राइवेट लैब में डेंगू टेस्ट फीस 600 रुपए निर्धारित की गई है।

राज्य में 20 अगस्त तक चिकनगुनिया के 43 मामले सामने आए, जबकि मलेरिया के 35 मामले आए हैं। इसी प्रकार डेंगू के 772 मामले सामने आए। सरकारी अस्पतालों में 23128 डेंगू के सैंपल लिए गए, जिनमें से 630 पॉजिटिव पाए गए। निजी अस्पतालों 4578 सैंपल लिए गए हैं जिनमें से 142 पॉजिटिव पाए गए। राज्य में 27 डेंगू की टेस्टिंग लैब संचालित हैं और सभी सिविल अस्पतालों, सीएचसी और पीएचसी में सैंपल लिए जा रहे हैं। राज्य में 5606 हैंड ऑपरेटेड और 43 व्हीकल माउंटेड फॉगिंग मशीन हैं, जो फॉगिंग कर रही हैं।

निजी अस्पतालों तथा निजी प्रयोगशालाओं द्वारा डेंगू के केस रिपोर्ट न करने के संबंध में स्वास्थ्य मंत्री अलिन विज ने कहा कि सिविल सर्जन अधिकारियों को टीम बनाकर समय-समय पर इन निजी अस्पतालों और प्रयोगशालाओं की जांच करें। जो अस्पताल या प्रयोगशाला इन केसों की रिपोर्ट सिविल सर्जन कार्यालय को नहीं देती उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

-संवाद ब्यूरो

'रोगों को भगाना है तो संस्कृति की ओर लौटना होगा'

हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि आजादी के 76 वर्ष बाद अब हमारे देश में योग, आयुष और आरोग्य की बात होने लगी है। यदि यह बात सन् 1950 में शुरू करते तो भारत देश आज और आगे होता।

श्री दत्तात्रेय नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयुष मंत्रालय द्वारा आरोग्य भारती के सहयोग से आयोजित 'आयुष्कॉन-2023' में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। इस कार्यक्रम का थीम-'मिलेट्स फूड फॉर रिजुविनेशन' (कायाकल्प के लिए श्रीअन्न) था। केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी भी इस मौके पर उपस्थित थे।

दत्तात्रेय ने कहा कि आयुष्कॉन का कार्यक्रम होलिस्टिक अप्रोच अर्थात स्वास्थ्य के लिए समग्र दृष्टिकोण के साथ आयोजित किया जा रहा है जिसमें स्वास्थ्य, खान-पान और व्यवहार पर फोकस किया गया। केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी ने कहा कि पहला सुख निरोगी काया को माना जाता है। अपने आप को स्वस्थ रखने के लिए हमे अपने खान-पान को सुधारना होगा। पाश्चात्य संस्कृति से प्रभावित होकर हमारे युवा आज पिज्जा, बर्गर आदि फास्ट फूड खाने लगे हैं जोकि स्वास्थ्य के लिए अच्छे नहीं हैं। अगर हमे अपने घर से रोगों को भगाना है तो दोबारा से अपनी संस्कृति की ओर लौटना होगा।

मॉनसून-सत्र आयोजित

विधानसभा का मानसून सत्र तीन दिन चलेगा। इस दौरान सरकार व विपक्ष के बीच सवाल जवाब होने की संभावना रही। सत्र की तैयारी के लिए जहां राज्य सरकार की ओर से तैयारियां की गई, विपक्ष की ओर से भी बैठक आयोजित की गई।

सत्र को लेकर परिसर में बिजनेस एडवाजरी कमेटी की बैठक हुई जिसमें तय हुआ कि 25 अगस्त को सुबह 11 बजे सत्र शुरू होगा। 26 व 27 अगस्त को अवकाश रहेगा, तदोपरांत 28 व 29 अगस्त को सत्र पूरा दिन चलेगा।

बैठक में मुख्यमंत्री मनोहर लाल के साथ विधानसभा स्पीकर ज्ञानचंद गुप्ता, पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा व विधानसभा उपाध्यक्ष रणबीर गंगवा उपस्थित रहे। सत्र के दौरान सरकार की ओर से कुछ महत्वपूर्ण बिल पेश हुए।

हरियाणा के करीब तीन दर्जन छोरे व छोरियां जर्मनी में उच्च शिक्षा हासिल करने के लिए जल्द ही उड़ान भरेंगे। ये युवा निःशुल्क पढ़ाई के साथ-साथ क़रीब 80 हज़ार रुपए प्रतिमाह प्राप्त भी करेंगे।

प्रदेश सरकार द्वारा फरीदाबाद की तिगांव विधानसभा क्षेत्र में पड़ने वाले गांव मोटूका में इंडस्ट्रियल टाउनशिप विकसित की जाएगी, इससे यहां नए उद्योग लगेंगे और फरीदाबाद-पलवल के लोगों को रोज़गार मिलेगा।

शहद का कारोबार

संगीता शर्मा

किसान खेती के साथ-साथ मधुमक्खी पालन करके आमदनी में इजाफ़ा कर सकता है। कम ज़मीन वाले किसानों और बेरोज़गार युवाओं के लिए मधुमक्खी पालन एक अच्छा व्यवसाय है। हरियाणा के बागवानी विभाग द्वारा संचालित एकीकृत मधुमक्खी पालन विकास केंद्र, रामनगर, कुरुक्षेत्र युवाओं को मधुमक्खी पालन के लिए प्रशिक्षण देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है। हाल ही में यहां मधुमक्खी पालन केंद्र में शहद व्यापार केंद्र की नई पहल शुरू की गई है। शहद व्यापार केंद्र में शहद के आने पर मधुमक्खी पालकों को उसके शहद का वज़न, सैंपलिंग, भंडारण, नीलामी, डिस्पैच व भुगतान करने की सुविधा दी गई है। इससे मधुमक्खी पालकों को शहद की गुणवत्ता के आधार पर उचित दाम मिल सकेंगे।

विक्रेता को एच.टी.सी. में कम से कम 25 मीट्रिक टन शहद लाना होता है। फूड ग्रेड बाल्टी में ही शहद लिया जाता है। प्रशिक्षित कर्मियों द्वारा ग्रेड सत्यापन/प्लेटफार्म परीक्षण (जैसे दृश्य जांच, सैम्पल की स्पष्टता, सुगंध, स्वाद, रंग, टैक्चर का मूल्यांकन व नमी की मात्रा) किया जाता है। विक्रेताओं का पंजीकरण मधुक्रांति पोर्टल की एप्लीकेशन आई.डी.के आधार पर किया जाता है।

शहद का वज़न एवं सैम्पलिंग

पंजीकरण के बाद शहद को लाया जायेगा। पारदर्शिता को सुनिश्चत करने के लिए शहद का वज़न और सैम्पल का संग्रह मधुमक्खी पालक और एच.टी.सी. प्रभारी के सामने किया जायेगा। लॉट जनरेट होने के बाद उसके वज़न के साथ अपडेट किया जाएगा। उसके बाद लॉट से शहद का नमूना लिया जायेगा।

एफ.एस.एस.ए.आई. द्वारा निर्धारित परीक्षणों के लिए लगभग 1.30 लाख रुपए प्रति लॉट का परीक्षण शुल्क खर्च होने की उम्मीद है। सरकार जांच शुल्क पर 75 प्रतिशत तक की

सब्सिडी प्रदान कर करेगी। शेष 25 प्रतिशत खरीददार द्वारा वहन किया जाएगा।

एच.टी.सी. में शहद भंडारण की क्षमता 2,500 एम.टी. है, जिसका लाभ क्रेता और विक्रेता को 30 दिनों के लिए 10 पैसा/बाल्टी/दिन के लिए मिलेगा और उसके बाद 50 पैसा/बाल्टी/दिन में मिलेगा।

नीलामी: शहद के लॉट की नीलामी परीक्षण परिणामों के साथ ही की जाएगी। व्यापारी/निर्यातक शहद लॉट के लिए ऑनलाइन/ऑफलाइन माध्यम से बोली लगाएंगे। विक्रेता के लिए न्यूनतम आरक्षित मूल्य निर्धारित करने का प्रावधान होगा। किसी परिस्थिति में अगर विक्रेता खरीददार द्वारा दी गई कीमत से सहमत नहीं होता तब शहद लॉट की फिर से नीलामी की जा सकेगी।

भुगतान: यदि मधुमक्खी पालक शहद लॉट की नीलामी की कीमत पर सहमत हो जाता है, तब अंतिम चालान खरीदार द्वारा किया जायेगा। मधुमक्खी पालक व खरीदार के बीच भुगतान एच.टी.सी. के एस्क्रो खाते के माध्यम से किया जायेगा। एस्क्रो खाते में फंड के स्थानांतरण उपरांत भेजी हुई राशि का भुगतान विक्रेता के खाते में (टी+1) कार्य दिवस के भीतर किया जायेगा।

एकीकृत मधुमक्खी पालन विकास केंद्र, रामनगर के मार्गदर्शन में प्रदेश के किसानों को आय बढ़ाने तथा कम खेती वाले किसानों को मधुमक्खी पालन का व्यापार करने में मदद मिल रही है।

जयप्रकाश दलाल, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री, हरियाणा

मधुमक्खी पालक

- » विक्रेता एच.टी.सी. में न्यूनतम 25 टन शहद को फूड ग्रेडिड बाल्टी में लाएगा।
- » विक्रेता का पंजीकरण मधुक्रांति पोर्टल आई.डी.के आधार पर होगा।
- » पंजीकरण शुल्क 10 हजार रुपए देगा।
- » प्रारंभिक 30 दिनों के लिए 10 पैसा/बाल्टी/दिन भंडार शुल्क और बिक्री नहीं होने की स्थिति में 50 पैसा/बाल्टी/दिन देगा।
- » यदि 60 दिनों में बिक्री नहीं होती तब एच.टी.सी. द्वारा शहद का निपटान किया जाएगा।
- » विक्रेताओं पर पांच रुपए प्रति बाल्टी लोडिंग शुल्क लागू होगा।
- » विक्रेता प्रबंधन शुल्क पांच रुपए/बाल्टी तथा एक रुपया/बाल्टी का गुणवत्ता जांच शुल्क का भुगतान करने के लिए उत्तरदायी होगा।
- » विक्रेता नीलामी में न्यूनतम आरक्षित मूल्य निर्धारित कर सकता है।
- » कॉर्न सिरप मिलावट के कारण डिफॉल्ट होने की स्थिति में 10 हजार रुपए का पंजीकरण शुल्क जुर्माना के रूप में लगाया जाएगा। पुनः पंजीकरण लागू होगा।

अश्वगंधा की खेती

भारत में अश्वगंधा की जड़ों का उत्पादन प्रति वर्ष 2,000 टन है। जबकि जड़ की मांग 7,000 टन प्रति वर्ष है। मध्य प्रदेश के उत्तर पूर्व भाग में लगभग 4,000 हैक्टेयर भूमि पर अश्वगंधा की खेती की जा रही है। मध्य प्रदेश के मनसा, नीमच, जावड़, मानपुरा और मंदसौर और राजस्थान के नागौर और कोटा जिलों में अश्वगंधा की खेती की जा रही है।

अश्वगंधा की बुवाई द्वारा इसे उगाने का सबसे उचित समय वसंत ऋतु या बरसात की शुरुआत होती है। यहां तक कि मार्च और अप्रैल महीनों को भी संभावित रूप से अच्छा माना जाता है। इससे पहले जब भी बीज बोआ जाता है, जमीन का तापमान कम से कम 20-25 डिग्री सेल्सियस होना चाहिए। जबकि गर्मी के महीनों में बीज बोने से पहले मिट्टी की गर्मी 25-30 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचनी चाहिए।

अश्वगंधा के लिए जीवाणुजनित उर्वरक जैसे गौमूत्र, पंचगव्य, मसानों की खाद आदि का उपयोग करें। ये उर्वरक पौधे के जीवनकाल में सक्रिय होते हैं और उच्चतम उत्पादन के लिए जड़ी-बूटी के संवर्धन में मदद करते हैं।

पौधों के संकरण के समय, नाइट्रोजन युक्त उर्वरकों का प्रयोग करें। नाइट्रोजन पौधों की संकरण को प्रोत्साहित करता है और ऊष्माग्रद्धि के लिए महत्वपूर्ण होता है। ध्यान दें कि नाइट्रोजन की मात्रा संतुलित होनी चाहिए और अधिकता से बचना चाहिए। नाइट्रोजन पौधों की संकरण को प्रोत्साहित करता है और उनकी वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण होता है। पौधे की शुरुआती अवस्था में अश्वगंधा को मिश्रण में 40-50 किलोग्राम प्रति हैक्टेयर नाइट्रोजन देना चाहिए। फॉस्फोरस पौधों के रूपांतरण की प्रक्रिया में मदद करता है और फूल और फलों के उत्पादन को प्रोत्साहित करता है। पोटाश पौधों की मज़बूती, सड़कन, फूल और फलों की गुणवत्ता को बढ़ाता है। प्रति हैक्टेयर 30-40 किलोग्राम प्रति हैक्टेयर पोटाश की मात्रा उपयुक्त होती है।

कीट और रोग नियंत्रण

एफिड : एफिड छोटे, मुलायम शरीर वाले कीट होते हैं जो पौधों के फूलों से रस चूसते हैं। ये पौधे के विकास को रोक सकते हैं, पत्तियों को मुड़ा सकते हैं और पौधे पर चिपचिपा शहद छोड़ सकते हैं। एसीफेट सबसे व्यापक रूप से उपलब्ध प्रणालीगत कीटनाशक है।

व्हाइटफ्लाइस : ये पंखवाले कीट होते हैं जो पत्तियों के नीचे इकट्ठा होते हैं। वे पौधों के रस चूसते हैं और चिपचिपा शहद छोड़ते हैं, जिसके कारण पत्तियों की पीलापन, मुरझान और काले कच्चे के विकास का कारण बनते हैं।

स्पाइडर माइट्स : स्पाइडर माइट्स छोटे रेंगते हुए कीटाणु होते हैं जो पौधों के रस को चूसते हैं। ये पत्तियों पर पीलापन, धब्बे और पत्तियों का सुखने का कारण बनते हैं। उनकी मृदा पर काली रेखाएं और तरह-तरह की धागे हो सकते हैं। ऐसे कई पौधों के अर्क भी हैं जिन्हें मिटीसाइड्स के रूप में तैयार किया जाता है जो मकड़ी के कण पर प्रभाव डालते हैं। इनमें लहसुन का अर्क, लौंग का तेल, पुदीना का तेल, मेंहदी का तेल, दालचीनी का तेल और अन्य शामिल हैं।

थ्रिप्स : थ्रिप्स छोटे, स्लेंडर कीट होते हैं जो पौधों के अंगों पर चिढ़ाव करते हैं। वे पत्तियों को चुराकर उनमें सफेद धब्बे छोड़ते हैं और उपचार नहीं करने पर पतियों के पड़ने का कारण बन सकते हैं। मुख्य खेत में फॉस्फैमिडॉन 40 एसएल 50 मिलि छिड़काव करें।

इल्ली: इल्ली अश्वगंधा के पत्तों को खाने वाले लार्वा होते हैं। वे पत्तियों पर खुरदरापन और अनुवंशिक प्रभाव छोड़ सकते हैं, जिससे पौधा कमजोर हो सकता है और उत्पादन में कमी हो सकती है। इल्लियों को हाथ से चुनें और नष्ट कर दें।

जड़ और मुखपुच्छक रोग: भूमि में अधिक नमी या खराब निकासी के कारण अश्वगंधा पर जड़ और मुखपुच्छक रोग हो सकते हैं। पाइथियम, फाइटोफथोरा और राइजोक्टोनिया जैसे कवकीय पाथोजन जड़ों और पौधे की मूल बराबर की द्वारा क्षयित कर सकते हैं, जिसके परिणामस्वरूप पौधों का शून्य हो जानाऔर पौधों का मर जाना हो सकता हैं।

पत्तियों पर स्थानिक रोग: अश्वगंधा पर कवकीय पाथोजन द्वारा होने वाले पत्ती धब्बे रोग हो सकते हैं, जिनमें आल्टर्नेरिया, सेप्टोरिया और कोलेटोट्रिकम शामिल हैं। ये बीमारियां पतियों पर गहरे धब्बे या घाव के रूप में प्रकट होती हैं, जो फैल सकते हैं और उपचार न करने पर पतियों का गिरना पैदा कर सकती हैं।

अनिल कुमार (कृषि विज्ञान केंद्र, यमुनानगर), ममता खेपड व मोनिका जांगड़ा, वानिकी विभाग, प्रीति वर्मा, पौध रोग विभाग, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

राज्य सरकार ने इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, पानीपत रिफाइनरी के विस्तार के लिए साथ लगते आसन कलां, खंडरा तथा बाल जाटान गांवों की 349 एकड़ पंचायती ज़मीन की अधिग्रहण करने की मंजूरी प्रदान की है।

मुख्य सचिव संजीव कौशल ने सभी प्रशासनिक सचिवों, विभागाध्यक्षों, उपायुक्तों को विदेश दौरों के अग्रिम प्रस्ताव कम से कम तीन सप्ताह पहले भारत सरकार के आर्थिक मामले विभाग को सौंपने के निर्देश दिए है।

किसानों के साथ खड़ी हरियाणा सरकार

मुख्यमंत्री का भावांतर भरपाई योजना के लाभार्थियों से संवाद

विशेष प्रतिनिधि

किसान खुशहाल होंगे तो राष्ट्र भी खुशहाल होगा। हरियाणा सरकार इस नीति को मध्यनजर रखते हुए निरंतर आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि किसान हमारी अर्थव्यवस्था का मूल आधार हैं, इसलिए किसान मजबूर नहीं मजबूत होना चाहिए।

राज्य सरकार फसलों के तैयार होने से लेकर बाजार में उसकी बिक्री तक किसानों को हर संभव सुविधा उपलब्ध करवा रही है। किसानों को जोखिम मुक्त बनाने के लिए सरकार ने भावांतर भरपाई योजना शुरू की है। योजना के तहत अब तक फल व सब्जी उत्पादक 12 हजार से अधिक किसानों को 33 करोड़ 26 लाख रुपए की राशि दी जा चुकी है।

मनोहर लाल ने कहा कि वर्तमान समय की जरूरत के हिसाब से खेती में नए व सफल प्रयोग करने वाले किसानों ने साहसिक कार्य किया है। इस सफलता से अन्य किसानों को भी प्रेरणा मिली है और खेती में गेहूं व धान के च' से बाहर निकलकर बाजार की मांग के अनुसार फसलें बोने लगे हैं। उन्होंने कहा कि किसान फसल तो पैदा कर लेता है, लेकिन उसके सामने बाजार भावों की अनिश्चितता बनी रहती थी और कई बार तो कम कीमत पर फसल बेचने को मजबूर होते थे। किसानों की इस समस्या को हमने समझा और तय किया है कि फसल बोने से पहले ही किसानों को यह पता चल जाए कि फसल का कम से कम एक सुनिश्चित मूल्य तो मिलेगा ही। इसके लिए राज्य सरकार ने फल व सब्जियों के लिए जनवरी, 2018 से तथा बाजरे के लिए खरीफ-2021 से भावांतर भरपाई योजना शुरू की है।

संवाद के दौरान किसानों ने मुख्यमंत्री का धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि भावांतर भरपाई योजना लाकर हरियाणा सरकार ने सही मायनों में हमें सहारा देने का काम किया है। पहले हमें मंडियों में बाजार भाव से नीचे चले जाने पर भी अपनी उपज को कम दामों में बेचने के लिए मजबूर होना पड़ता था, लेकिन इस योजना के बाद से हम आश्वस्त रहते हैं कि बाजार भाव के नीचे चले जाने के बाद भी सरकार हमारी सहायता करेगी।

मोटे अनाजों के उत्पादन को बढ़ावा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर संयुक्त राष्ट्र संघ ने वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष घोषित किया है। मोटे अनाज सेहत के लिए अच्छे हैं, इसलिए आज सेहत के लिए जागरूक लोगों में इनका सेवन करने का रुझान बढ़ा है और इनकी मांग न केवल देश में बल्कि विदेशों में भी बढ़ी है। हरियाणा में भी मोटे अनाजों के उत्पादन को बढ़ावा दिया जा रहा है।

बाजरे पर दी गई भावांतर भरपाई राशि

भावांतर की भरपाई बाजरे की प्रति एकड़ औसत उत्पादकता के आधार पर की गई है। यदि किसान अच्छे भाव मिलने के इंतजार में अपनी उपज मंडी में नहीं लाया तो भी, यदि उसने अपने उपयोग के लिए बाजरा रख लिया तो भी उसे भावांतर का भुगतान किया जाता है। खरीफ सीजन-2021 में बाजरे का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2,250 रुपए प्रति क्विंटल था और औसत बाजार भाव 1650 रुपए प्रति क्विंटल था। हमने 600 रुपए प्रति क्विंटल की दर से भावांतर भरपाई की गई। खरीफ-2021 में 2 लाख 42 हजार 948 किसानों के खातों में 440 करोड़ रुपए की राशि भावांतर भरपाई के रूप में सीधी डाली गई है।

खरीफ-2022 में बाजरे का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2,350 रुपए प्रति क्विंटल था और औसत बाजार भाव 1900 रुपए प्रति क्विंटल था। वर्तमान में 450 रुपए प्रति क्विंटल की दर से भावांतर भरपाई की गई है। खरीफ-2022 में 2 लाख 76 हजार 620 किसानों के खातों में 390 करोड़ रुपए की राशि भावांतर भरपाई के रूप में सीधी डाली गई।

बागवानी क्षेत्र को दो गुणा करने का लक्ष्य

किसान बागवानी की ओर अग्रसर हों और फलों, सब्जियों और फूलों की खेती को अपनाएं। इसके लिए राज्य सरकार ने 2030 तक बागवानी के अधीन क्षेत्र को दो गुणा करके 22 लाख एकड़ करने तथा उत्पादन को तीन गुणा करने का लक्ष्य रखा है। राज्य सरकार ने सुनिश्चित किया है कि बागवानी किसानों को बाजार भावों के उतार-चढ़ाव की मार न झेलनी पड़े, इसके लिए भावांतर भरपाई योजना के तहत बागवानी फसलों के लिए संरक्षित मूल्य निर्धारित किया जाए। इस व्यवस्था से किसान को बिजाई के समय ही यह पता चल जाता है कि उसे प्रति एकड़ कितनी आय होगी।

मुख्यमंत्री बागवानी बीमा योजना

किसानों को मौसम के कारण फसलों में भारी नुकसान उठाना पड़ता है, इसलिए सरकार ने मौसम की अनिश्चितताओं के जोखिम से किसानों को मुक्त करने के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना व मुख्यमंत्री बागवानी बीमा योजना शुरू की है। इसमें बागवानी की 21 फसलें शामिल हैं। इसमें सब्जियों के लिए 75,000 रुपए और फलों के लिए एक लाख रुपए प्रति हेक्टेयर क्लेम राशि दी जा रही है।

किसानों के खातों में पहुंचे 50,000 करोड़ रुपए

एक समय था जब किसान अपनी फसल बेचता था, तो उसे अपने हक का पैसा नहीं मिलता था। पैसा किसी और के खाते में जाता था और उनको अपने खर्च के लिए समय समय पर किसी के आगे हाथ फैलाने पड़ते थे। लेकिन मनोहर सरकार ने इस प्रथा को बंद करने का काम किया। किसानों के खाते में डीबीटी के माध्यम से लगभग 50,000 करोड़ रुपए सीधे उनके खातों में डाले गए हैं। किसान अपनी फसल बेच कर आता है तो पैसा सीधा उसके खाते में पहुंचता है।

राज्य सरकार ने पिछले साल प्रदेश में लगभग 53,000 सोलर पंप लगाए और इनके लिए किसानों को सब्सिडी दी गई है। इस वर्ष भी 70,000 नए सोलर ट्यूबवेल लगाए जाएंगे।

जल शक्ति अभियान में नूह को दूसरा स्थान

नूह को जल शक्ति अभियान की आकांक्षी जिला की फ्रंट रनर श्रेणी में दूसरा स्थान प्राप्त हुआ है जिसके लिए मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने जिले के अधिकारियों को प्रोत्साहित करते हुए उन्हें जिला में इसी प्रकार प्रदर्शन करने के लिए हर ज़रूरी उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इस अभियान के तहत रैंकिंग के लिए 1 अक्टूबर 2022 से लेकर 30 जून 2023 तक की प्रगति को आधार बनाया गया। इस अवधि के दौरान जिला में जल शक्ति अभियान के तहत जल जीवन सर्वेक्षण करवाया गया। इस सर्वेक्षण में जिला निर्धारित अवधि के दौरान पहला रनर अप रहा। जल जीवन सर्वेक्षण के दौरान 8 पैरामीटर को आधार मान कर प्रगति की समीक्षा की गई। इन पैरामीटर में जल संरक्षण संबंधी आठ बिंदुओं पर कार्य किया गया। निर्धारित पैरामीटर अनुसार घरों में 100 प्रतिशत पानी की टोंटी चालू हालत सुनिश्चित की जाती है।

नूह के जिन घरों में पानी की टोंटी नहीं लगी थी वहां पर जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा पानी की टोंटी लगाई गई। इसके अलावा, जिला के गांवों में पानी की समिति बनाई गई हैं जो घरों में पेयजल आपूर्ति को लेकर प्रमाण पत्र जारी करती है कि घरों में पीने का पानी सुचारू आ रहा है। इसके अलावा, ग्रामीणों की टीम द्वारा इस पानी की गुणवत्ता की जांच भी सुनिश्चित की जाती है।

पानी की गुणवत्ता की जांच के लिए हर पंचायत में पांच महिलाओं को प्रशिक्षण दिया गया है। जिला की आईटीआई में भी आवेदकों को जल की गुणवत्ता की जांच के लिए प्रशिक्षण दिया गया है। इस प्रकार, जिला ने जल जीवन सर्वेक्षण के निर्धारण मानदंडों में उच्च प्रदर्शन करते हुए दूसरा स्थान प्राप्त किया।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि जल जीवन का आधार है और व्यक्ति की मूलभूत आवश्यकताओं में सर्वोपरि है। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि वे जल संरक्षण में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे और जहां तक संभव हो पानी को व्यर्थ में न बहाए। उन्होंने आमजन से अधिक से अधिक पौधारोपण करने की भी अपील की।

-संवाद ब्यूरो

कैथल के गांव तितरम मोड़ से हांसी वाया जींद होकर जाने वाली सड़क को करीब 75 करोड़ रुपए की लागत से फोरलेन किया जाएगा तथा गांव तितरम से गांव राजौंद की तरफ़ जाने वाली सड़क के सुधारीकरण का कार्य जल्द शुरू होगा।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय ने 'अग्निपथ योजना' के तहत सेना में भर्ती हुए अग्निवीरों के लिए कौशल-आधारित ग्रेजुएशन डिग्री प्रोग्राम शुरू किया है। इसके लिए तीनों सेनाओं ने अपनी सहमति के बाद समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

नियमित होने से कालोनियों में तेजी से होगा विकास

» 450 अनधिकृत कालोनियों को नियमित करने का एलान
» 1833 और कॉलोनियों को नियमित करने पर विचार

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने शहरी क्षेत्र की 450 अनधिकृत कालोनियों को नियमित करने का एलान किया है। इस नियमन से कालोनियों को विकास तेजी से होगा, ऐसी कॉलोनियों के लिए फिलहाल मूलभूत विकास कार्यों हेतु 500 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है।

इन 450 कॉलोनियों में नगर एवं ग्राम आयोजना विभाग की 239 कालोनियां तथा शहरी स्थानीय निकाय विभाग की 211 कॉलोनियां शामिल हैं। नियमित की गई कालोनियों में पहली बार उन अनधिकृत कालोनियों को भी नियमित किया गया है, जो पालिका क्षेत्रों के बाहर स्थित हैं। ये नगर एवं ग्राम आयोजना विभाग के अन्तर्गत आती हैं।

निमयन उपरांत जो कॉलोनियां पालिका क्षेत्र से बाहर पड़ती हैं, उनके विकास कार्य हरियाणा ग्रामीण विकास प्राधिकरण द्वारा किए जाएंगे। पालिका के भीतर स्थित कॉलोनियों के विकास कार्य संबंधित नगर पालिका द्वारा किए जाएंगे। जिन कॉलोनियों तक पहुंचने वाली सड़क 6 मीटर या इससे अधिक तथा आंतरिक सड़कें 3 मीटर या इससे अधिक चौड़ी हैं, अब उन्हें नियमित किया गया है।

इससे पहले वर्ष 2014 से 2022 तक शहरी स्थानीय निकाय विभाग के अन्तर्गत आने वाली 685 कालोनियां नियमित की गई थीं। इस प्रकार, आज नियमित होने वाली कॉलोनियों को नियमित करने से वर्ष 2014 से अब तक कुल 1135 अनधिकृत कॉलोनियां नियमित हो जाएंगी।

वर्तमान में प्रदेश में कुल 1856 अनधिकृत कॉलोनियों को नियमित करना विचाराधीन है। इनमें 727 कॉलोनियां नगर एवं ग्राम आयोजना विभाग तथा 1129 कॉलोनियां शहरी स्थानीय विभाग के अंतर्गत आती हैं। इन कॉलोनियों में मापदण्ड पूरे होने पर इन्हें भी नियमित किया जाएगा।

फरीदाबाद में 59, फतेहाबाद में 16, गुरुग्राम में 3, हिसार में 20, झज्जर में 25, कैथल में 30, करनाल में 2, कुरुक्षेत्र में 25, नूहं में 35, पलवल में 31, पानीपत में 22, रेवाड़ी में 14, रोहतक में 32, सिरसा में 9, सोनीपत में 35 और यमुनानगर में 92 अनधिकृत कॉलोनियों को नियमित किया गया है।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि कुछ अनधिकृत कॉलोनियां पालिका क्षेत्र से बाहर भी बन गई थी। इनमें रहने वाले लोग वर्षों से बुनियादी सुविधाओं से वंचित थे। हमने उनकी पीड़ा को समझा है और पहली बार पालिका क्षेत्रों से बाहर की कॉलोनियों को भी नियमित करने का काम किया है।

पालिका क्षेत्र से बाहर पड़ने वाली आवासीय कॉलोनियों को नियमित करने के लिए जो विकास शुल्क निर्धारित किये गए हैं, वे अविकसित भूमि के लिए कलेक्टर रेट का 8 प्रतिशत तथा विकसित भूमि के लिए कलेक्टर रेट का 5 प्रतिशत देय होगा। ऐसी कॉलोनियों में सेल डीड पर पर प्रतिबंध लगा दिया था। इसलिए 1 जुलाई, 2022 से पहले जिन्होंने बिक्री के लिए सेल डीड या एग्रीमेंट टू सेल पंजीकृत करवा रखे थे, उन्हें बेचा हुआ माना जाएगा।

-संवाद ब्यूरो

यूरोप में भी मिलेंगे रोज़गार के अवसर

हरियाणा सरकार व ओयो कंपनी के मध्य एमओयू

मुख्यमंत्री आवास संत कबीर कुटीर पर प्रमुख ग्लोबल हॉस्पिटैलिटी कंपनी ओयो ने श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय, हरियाणा कौशल रोजगार निगम तथा विदेश सहयोग विभाग, हरियाणा सरकार के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस एमओयू का उद्देश्य डेनमार्क जैसे यूरोपीय देशों में हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री से संबंधित विभिन्न जॉब रोल में युवाओं को नौकरी के अवसर प्रदान करना है।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि शैक्षिक संस्थानों, सरकारी एजेंसियों और ओयो जैसी निजी क्षेत्र की कंपनियों के बीच साझेदारी के माध्यम से राज्य सरकार युवाओं की रोजगार क्षमता और कौशल सेट को बढ़ाने के लिए सर्ि य रूप से काम कर रही है। इस एमओयू से न केवल राज्य के आर्थिक विकास में योगदान होगा, बल्कि कुशल मैनपावर के आदान-प्रदान से अंतरराष्ट्रीय सहयोग और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को भी बढ़ावा मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ओयो कंपनी की मांग के अनुसार हरियाणा कौशल रोजगार निगम पर पंजीकृत युवाओं का चयन किया जाएगा और उन्हें श्री विश्वकर्मा स्किल यूनिवर्सिटी की ओर से जॉब रोल के अनुरूप स्किलिंग करवाई जाएगी और उन्हें सर्टिफिकेट प्रदान किए जाएंगे। प्रशिक्षण पूरा हो जाने के बाद युवाओं को विदेश भेजने की पूरी प्रक्रिया विदेश सहयोग विभाग द्वारा अमल में लाई जाएगी। बतादें युवाओं को विदेशों में रोजगार के अवसर मुहैया करवाने हेतु हरियाणा सरकार ने अलग से ओवरसीज प्लेसमेंट सेल भी बनाया हुआ है।

ओयो के साथ साझेदारी फायदेमंद रहेगीः राज नेहरू

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के कुलपति राज नेहरू ने कहा कि ओयो के साथ यह साझेदारी हमारी यूनिवर्सिटी को एक नई दिशा की ओर अग्रसर करेगी। इससे कक्षा में सीखने और उसका वास्तविक अनुभव करने के बीच का अंतर काफी कम हो जाएगा। इस साझेदारी के माध्यम से हमारे छात्रों को एक्सपर्ट्स से सीखने और ग्लोबल हॉस्पिटैलिटी परिदृश्य में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने का अवसर मिलेगा।

यूरोपीय देशों में जाने का अवसर मिलेगाः सीईओ

ओयो के संस्थापक और सीईओ रितेश अग्रवाल ने कहा कि इस एमओयू के माध्यम से कौशल विकास को बढ़ावा मिलेगा। हमारे वेकेशन होम्स बिज़नेस में तकनीकी और व्यावसायिक भूमिकाओं के लिए प्रदेश के प्रतिभाशाली युवाओं को डेनमार्क, नीदरलैंड आदि जैसे विभिन्न यूरोपीय देशों में रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

म्हारा गांव, जगमग गांव

5745 गांवों में 24 घंटे बिजली आपूर्ति

बिजली कंपनियों को घाटे से उबारने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर 'उदय' स्कीम लागू की गई थी। हरियाणा सरकार के प्रयासों के फलस्वरूप बिजली कंपनियों का 25,950 करोड़ रुपए का घाटा सरकार ने अपने स्तर पर वहन किया और आज हरियाणा की सभी चारों बिजली कंपनियां मुनाफे में चल रही हैं।

बिजली सुधार का संकल्प लेते हुए मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने वर्ष 2015 में भिवानी जिले के बाढड़ा में उपस्थित लोगों से झोली फैलाकर बिजली के बिल भरने की अपील की थी। मुख्यमंत्री मनोहर लाल की अपील का लोगों पर असर हुआ। जिसके फलस्वरूप 'म्हारा गांव, जगमग गांव' योजना के तहत प्रदेश के 5745 गांवों में 24 घंटे बिजली आपूर्ति सम्भव हो पाई है। इतना ही नहीं पिछले 9 वर्षों में बिजली बिलों के रेट भी नहीं बढ़ाये गए।

आयोग के चेयरमैन आर के पचनंदा के मुताबिक लाइन लॉसेस भी 34 प्रतिशत से घटकर 15 प्रतिशत कम हो गया है। इतना ही नहीं कृषि क्षेत्र को सब्सिडी के रूप में बड़ी राशि दी जाती है। हरित ऊर्जा को विकल्प के तौर पर अपनाने की योजनाएं बनाई जा रही हैं। पीएम कुसुम योजना के तहत पिछले वर्ष हरियाणा में 53000 कृषि नलकूपों को सौर ऊर्जा पर लाया गया। इस वर्ष 70000 कृषि नलकूपों को सौर ऊर्जा पर लाने का लक्ष्य रखा गया है।

चंडीगढ़ प्रशासन ने हरियाणा सरकार के कर्मचारियों को चंडीगढ़ स्थित सरकारी आवासों के रखरखाव से संबंधित शिकायतों के पंजीकरण के लिए द्दड्ड2द्दह्य.ष्द्धस्.द्दश1.द्बठ्ठ पोर्टल पोर्टल लॉन्च किया है।

राज्य सरकार प्रदेश में इलेक्ट्रॉनिक के पुराने व ख़राब सामान की सही ढंग से रीसाइक्लिंग करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स वेस्ट रीसाइक्लिंग पॉलिसी लाएगी ताकि प्रदेश में ई-पॉलुशन का प्रबंधन किया जा सके।

अब दफ़्तर, दरख़्वास्त और दस्तावेज़ से मुक्ति

मुख्यमंत्री की निजी दिलचस्पी व सीधे हस्तक्षेप ने अब धीरे-धीरे प्रदेश की जनता को दरख़्वास्त, दस्तावेज, दफ़्तर से निजात दिलाई है। व्यवस्था परिवर्तन के माध्यम से पिछले नौ वर्षों में लोगों के जीवन को सरल, सुगम व सहज बनाया है। अब घर बैठे ही लोगों के काम हो रहे हैं, चाहे वृद्धावस्था सम्मान भत्ता योजना, राशन कार्ड या जाति प्रमाण पत्र बनवाना हो, सभी सरल व सुगम हो चुके हैं।

पिछले तीन महीनों में हुए मुख्यमंत्री के जनसंवाद कार्यक्रमों के दौरान लोगों ने इस कार्य पर मोहर लगाई है। 2 अप्रैल, 2023 से भिवानी जिले के खरक कलां गांव से आरंभ हुए जनसंवाद कार्यक्रम के सात दौरे पूरे हो सके हैं और इस दौरान मुख्यमंत्री 60 से अधिक बड़े गांवों में जनसंवाद कर चुके हैं। मुख्यमंत्री ने तय किया है क कम से कम 300 बड़े गांवों में जनसंवाद करेंगे और इस दौरान मुख्यमंत्री स्वयं गांव वालों से पूछते हैं कि पिछले नौ वर्षों में सरकार का कोई भी एक कार्य बताओ जो आप लोगों को सबसे ज़्यादा पसंद आया हो, तो लोग भी कहते हैं कि दफ्तरों के चक्कर काटने से आप ने छुटकारा दिला दिया है।

जनसंवाद कार्यक्रम के मध्य वृद्धावस्था सम्मान भत्ता योजना में नाम शामिल करने तथा परिवार पहचान पत्र बनवाने के लिए अब विशेष काउंटरों की भी व्यवस्था की गई है।

वृद्धावस्था सम्मान भत्ता योजना में नाम शामिल कराने तथा परिवार पहचान पत्र बनाने के लिए मंच के एक ओर एडीसी कार्यालय द्वारा विशेष काउंटर लगाए जाते हैं जिनका भी प्रमाण पत्र नहीं बना है उनको मुख्यमंत्री स्वयं कहते हैं कि काउंटर पर जाओ और जब तक कार्य म जारी रहेगा उससे पहले आपका प्रमाण पत्र मिल जायेगा।

बीमार पड़ने पर गंभीर बीमारी का इलाज करवाने के लिए गरीब व्यक्ति को किसी साहूकार से कर्ज न लेना पड़े या उसे अपनी पैतृक सम्पति बेचनी न पड़े, इसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना का लाभ लेने की आय सीमा को एक लाख 80 हजार रुपए से 3 लाख रुपए तक की आय का निर्णय लिया है।

आत्मनिर्भर

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से मिलकर महिलाओं ने शुरू किया रोजगार

संगीता शर्मा

महिलाएं स्वयं रोज़गार शुरू करके आत्मनिर्भर हो रही हैं। स्वयं सहायता समूहों ने महिलाओं की ज़िंदगी में नायाब बदलाव लाया है। यह सब संभव हो सका हरियाणा सरकार द्वारा शुरू की गई राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से, जो महिलाओं के लिए किसी वरदान से कम सिद्ध नहीं हुई है। मिशन की विशेष बात यह है कि इसमें उन महिलाओं को शामिल किया जा रहा है जिनकी आर्थिक स्थित कमजोर है। इसके तहत समूह बनाकर ऐसी महिलाओं को बैंक के माध्यम से मामूली ब्याज दर पर बैंक से ऋण उपलब्ध करवा कर उनका व्यवसाय शुरू करवाया जाता है।

स्वयं सहायता समूहों का किया गठन

यमुनानगर के गांव मिलक खास की रेखा रानी ने बताया कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से 2019 में जुड़ी और 'वंश' नाम से स्वयं सहायता समूह का गठन किया। उन्होंने आस-पास के गांवों में 14 स्वयं सहायता समूह का गठन किया है, जिसमें 150 महिलाएं शामिल हैं। ये महिलाएं कॉस्मेटिक, सिलाई, डेयरी फार्मिंग व अन्य छोटे व्यवसाय के माध्यम से आत्मनिर्भर हो रही हैं। रेखा ने बताया कि वे पहले एक मज़दूर के तौर पर कार्य करती थी और काफ़ी मेहनत करने के बाद भी परिवार का पालन-पोषण करना मुश्किल होता था। उन्होंने बताया कि वे 2019 में एचएसआरएलएम से जुड़ी और 100 रुपए मासिक की बचत शुरू की। उसके बाद रेखा ने समूह से 5,000 रुपए लेकर सिलाई मशीन खरीदी और सिलाई का काम शुरू किया।

सोया इंडस्ट्री से आमदनी

रेखा ने बताया कि सेंट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया की 'बैंक मित्र' बनकर गांव की महिलाओं के बैंक में खाते व अन्य स्कीम भी शुरू करवाती है। जिसके अंतर्गत उसे बैंक की ओर से कमीशन मिलता है। उन्होंने जनवरी 2023 को सोया फूड इंडस्ट्री में स्टार्ट-अप स्थापित किया। यह इंडस्ट्री

उसनेचार कमरों में शुरू की है और आठ-दस मशीने लगाई हैं। इससे सोया दूध, सोया दही, सोया लस्सी, सोया पनीर व अन्य प्रोटीन उत्पाद तैयार करती हैं। बिलासपुर, जगाधरी, यमुनानगर, काला अंब, नारायणगढ़ व आस-पास के जगहों में अपने उत्पादों की सप्लाई करती हैं। प्रतिदिन दो-तीन क्विंटल सोया उत्पादों की सप्लाई होती है। रेखा ने बताया कि इस दौरान उनके एसएचजी और एचएसआरएलएम ने काफ़ी मार्गदर्शन किया और अब उनकी आय 40,000-50,000 के बीच है। सरोज, बिमला, मेवा, सुनीता, किरण का कहना है कि समूह से जुड़कर उनकी आमदनी हुई है और वह सुबह व शाम को दो-दो घंटे के लिए उत्पादों की पैकिंग करने आती है और उनके काम के अनुसार भुगतान मिलता है।

बढ़ा आत्मविश्वास

एचएसआरएलएम के माध्यम से अपना आत्मविश्वास बढ़ा पाई पलवल के एक छोटे से गांव सरौली की सुनीता ने बताया कि पहले वे एक गृहिणी थी और उनके पति भी बेरोज़गार थे। इस तरह उनके परिवार को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता था। परन्तु जब 2017 में जब वे एचएसआरएलएम से जुडी तो उनको लगा कि वे भी काफ़ी कुछ कर सकती हैं। इस तरह उनका आत्मविश्वास बढ़ा और इसके पश्चात उन्होंने रूरल सेल्फ एम्लॉयमेंट ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट से प्रशिक्षण लिया और जूट बैग और स्कूल बैग बनाने का उद्यम शुरू किया। उन्होंने बताया कि 15 सिलाई मशीनों से वह स्वयं रोज़गार चला रही हैं।

उन्होंने बताया कि उनका 'विश्वास' स्वयं सहायता समूह है और इसमें 11 महिलाएं जुड़ी हुई हैं, जो कि 30 साल से 45 साल की आयु की हैं। उन्होंने बताया कि समूह की महिलाएं अपने समय के अनुसार उनके घर के सिलाई सेंटर में आती हैं और जूट के बैग व स्कूल बैग तैयार करती हैं। एक महिला 400 से 500 रुपए प्रतिदिन कमा लेती हैं। उन्होंने बताया कि 1,500 रुपए से अपना काम शुरू किया था और अब धीरे-धीरे कारोबार बढ़ गया है।

पलवल, नूह, रतिया और आस-पास के गांवों व सरकारी कार्यालयों में भी बैग सप्लाई करती है। सुनीता ने बताया कि अपने बैग के सैंपल की मार्केटिंग वह स्वयं करती है और मार्केट से ऑर्डर लेकर आती हैं। इसके द्वारा अब वे 50,000 से 60,000 रुपयक महीना कमाने में सक्षम हुई हैं। समूह की सदस्य अंजू, मनीषा, ईश्वरी देवी का कहना है कि समूह से जुड़कर उन्हें फ़ायदा हुआ है और वह आत्मनिर्भर हो गई है। उन्होंने बताया कि हरियाणा में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से महिलाओं का सामाजिक एवं आर्थिक विकास हो रहा है।

प्रदेश में 57,376 स्वयं सहायता समूह बने

हरियाणा की प्रगति दूसरे राज्यों के मुकाबले काफ़ी बेहतर है। प्रदेश में 57,376 स्वयं सहायता समूह बन चुके हैं। इन्हें 54 करोड़, 57 लाख रुपए रिवोलविंग फण्ड, लगभग 285 करोड़ रुपए सामुदायिक निवेश फंड और लगभग 880 करोड़ रुपए बैंक क्रेडिट लिंकेज प्रदान किया गया है। इतना ही नहीं, रिवोलविंग फण्ड की राशि 10,000 रुपए से बढ़ाकर 20,000 रुपए की है। महिला स्वयं सहायता समूहों को 5 लाख रुपए तक ऋण लेने पर स्टाम्प शुल्क से छूट भी दी गई है। आजादी के अमृत महोत्सव में हर घर तिरंगा अभियान के लिए महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा बनाये गये तिरंगे ने भारत का गौरव बढ़ाया है। कोरोना काल में आपने मास्क बनाकर इस बीमारी से लड़ने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

राज्य सरकार ने वर्ष 2023-24 का प्रॉपर्टी डाटा सत्यापित करने के लिए 15 प्रतिशत की विशेष छूट प्रदान करने का निर्णय लिया है। यह छूट 30 सितंबर, 2023 तक रहेगी।

अनिल विज ने कहा कि आरसीएस उड़ान संचालन के लिए अंबाला में भारतीय एयरपोर्ट प्राधिकरण द्वारा सिविल एन्क्लेव की स्थापना की जाएगी। राज्य सरकार उड्डयन विभाग द्वारा 133 करोड़ रुपए की राशि रक्षा मंत्रालय को भेजी जाएगी।

पानीपत में धूमधाम से मनाई हरियाली तीज

तीज महोत्सव पर घोषणाएं

» स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार उत्पादों को बेचने के लिए सांझा बाजार की कल्पना पर सभी जिला केंद्रों पर 50 से 100 पोटा कैबिन स्थापित करने की घोषणा।

» राज्य सरकार द्वारा मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना व अन्य योजनाओं में 31,000 रुपए से लेकर 71,000 रुपए तक राशि दी जाती है। इस न्यूनतम 31,000 रुपए की राशि को बढ़ाकर 41,000 रुपए की घोषणा की गई।

विशेष प्रतिनिधि

तीज-त्योहार हमारे जीवन में प्यार-मोहब्बत, आपसी सद्भाव एवं भाईचारे के रंग भरते हैं और यह हमारे देश की महान प्राचीन सभ्यता, संस्कृति एवं परम्पराओं के परिचायक है। इन्हें सहेजकर रखना हम सबकी साझी जिम्मेदारी है। तीज त्योहार महिला सशक्तिकरण को भी बढ़ावा देने में सहायक हैं। विशेषकर तीज पर्व को महिलाएं ज़्यादा हर्ष और उल्लास के साथ मनाती हैं। हरियाणा में चंडीगढ़ स्थित हरियाणा राजभवन में राज्य स्तरीय भव्य तीज उत्सव में राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने हरियाली तीज पर्व के अवसर पर हार्दिक बधाई देते हुए प्रदेश के लोगों के लिए खुशहाली, सुख-समृद्धि एवं मंगलमय जीवन की कामना की।

वहीं, पानीपत में श्री गुरु तेग बहादुर मैदान में आयोजित राज्य स्तरीय तीज महोत्सव में मुख्यमंत्री मनोहर लाल और महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री कमलेश ढांडा ने दीप प्रज्वलित कर तीज उत्सव का शुभारंभ किया। इस महोत्सव में प्रदेशभर से 50,000 से अधिक महिलाओं ने भाग लेकर एक रिकॉर्ड कायम किया और यह रिकॉर्ड लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज होगा।

पानीपत के गुरु तेग बहादुर मैदान में नजारा अन्य दिनों की भांति अलग ही था। सवेरे से ही गीतों की झनकार पंडाल में लगे झूलों पर सुनाई पड़ रही थी। प्रदेशभर से हजारों की संख्या में रंग-बिरंगी परिधानों में आई महिलाएं सुबह से ही इस राज्य स्तरीय तीज महोत्सव में उत्साहपूर्वक भाग लेने पहुंची। 'मेरा नो डांडी का बिजणा, झूला झूलुं हे मां मेरी ए बाग मै' की स्वर लहरी से पूरा पंडाल गूंजा रही थी। हरियाणा की संस्कृति से जुड़े गीत त्योहारी पहचान को तरोताज़ा कर रहे थे। झूला-झूलती महिलाएं पूरे हरियाणवी परिधान के साथ नजर आ रही थी।

101 महिला अचीवर्स को सम्मान

तीज उत्सव में प्रदेशभर से हजारों की संख्या में महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में पहुंचीं और मुख्य पंडाल के साथ ही 101 से ज़्यादा रंग-बिरंगे झूले लगाए गए थे जिन पर हरियाणवी पोशाकों में महिलाओं ने तीज के गीत गाते हुए हिलोरें लिये। समारोह में महिलाओं के लिए चलाई जा रही योजनाओं को एक प्रदर्शनी के माध्यम से दिखाया गया। तीज उत्सव में हरियाणा लोक कला संघ द्वारा विरासत प्रदर्शनी लगाई गई जिसमें मुख्यमंत्री का स्वागत 100 साल पुराने हरियाणवी एंटीक्स और पारंपरिक चादरा देकर किया गया। लोक कलाओं में माहिर महिलाओं द्वारा तैयार किए गए उत्पादों की भी प्रदर्शनी लगाई गई। समारोह में देसी खान-पान को अनूठे ढंग से प्रदर्शित किया गया। इस तीज उत्सव में आने वाली सभी महिलाओं को मुख्यमंत्री की ओर से तीज त्यौहार पर बहनों को दी जानी वाली कोथली भेंट स्वरूप दी गई। हरियाणा में पहली बार मनाए गए राजकीय तीज महोत्सव में 101 महिला अचीवर्स को सम्मानित भी किया गया।

महिलाओं द्वारा बनाएं उत्पादों की सराहना

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने महिलाओं के त्योहार हरियाली तीज को महिला सशक्तिकरण को समर्पित किया है। तीज उत्सव समारोह में मुख्यमंत्री ने शिरकत कर हरियाणा की सांस्कृतिक धरोहर का अवलोकन किया और महिलाओं की हौसला अफ़जाई की। महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा उत्पादित चीजों की प्रदर्शनी को देखकर मुख्यमंत्री मनोहर लाल भाव-विभोर हुए और कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत व ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में हमारी महिलाओं की एक सराहनीय पहल है।

लोकगीत ने समा बांधा

समारोह में पदमश्री सुमित्रा गुहा ने राग मल्हार की प्रस्तुति दी और सावन की ऋतु आई सखी लोकगीत गाकर समा बांध दिया। इसके अलावा, मीनाक्षी पांचाल ने भी सावन गीत की प्रस्तुति दी। पूरा पंडाल लोकगीतों के रंग में रंगा नज़र आया और आम महिलाओं के साथ साथ महिला अधिकारियों ने भी हरियाणवी गीतों पर ठुमके लगाए। महिलाओं ने विशेष रूप से तैयार गुलगुले, सुहाली और पतासे जैसे पारंपरिक खानपान का आनंद लिया। तीज महोत्सव में हरियाणा के प्रत्येक जिले से महिलाओं को आमंत्रित किया गया और महिलाओं ने भी इस महोत्सव में बढ़-चढ़ कर भाग लिया। विभिन्न जिलों से आई महिलाएं अलग-अलग रंग की चुनरी व उस रंग का रुमाल हाथ पर बांध कर आई, जिससे पूरे उत्सव में रंगो ने अपनी छटा बिखेर दी।

बोस इसी साड़ी ल्यादे, दुख दूर उम्र भर का हो

देशभक्ति के रंगों से सराबोर रहा सांग उत्सव

आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत 'मेरी माटी मेरा देश' अभियान के तहत कला एवं सांस्कृतिक विभाग, हरियाणा द्वारा टैगोर थियेटर में सांग उत्सव का आयोजन किया गया। तीन दिन चले इस उत्सव में देशभक्ति के गीतों की खूब बयार रही।

सांग उत्सव की शुरुआत सतीश जार्जी कश्यप द्वारा निर्देशित सांग 'कृष्णा' से हुई। यह सांग संस्कृत के श्लोकों पर आधारित रहा जो पंडित सूर्यभानु शास्त्री और सतीश जॉर्जी कश्यप ने लिखा गया है। अगले दिन 'नेता जी सुभाष चंद्र बोस' जो कि मशहूर सांगी श्री सूरज भान (बेदी) द्वारा किया गया तथा 23 अगस्त को संजय मलिक द्वारा सांग 'पूरणमल' का मंचन किया गया।

सूरज बेदी द्वारा निर्देशित तथा महाशय दयाचंद मायना द्वारा रचित 'नेता जी सुभाष चंद्र बोस' सांग का मंचन काफी सराहा गया। लगभग 2 घंटे तक चले इस सांग में कुल 14 कलाकारों ने नेता जी सुभाष चंद्र बोस पर आधारित रागनी व सांग प्रस्तुत किया।

गृह विभाग के विशेष सचिव महावीर कौशिक ने इस कार्यक्रम में नेता सुभाष चंद्र बोस पर विशेष प्रस्तुति दी। उन्होंने एक रागनी के जरिए बताया कि जर्मनी में नेता जी का स्वागत किस प्रकार किया गया था।

कला एवं सांस्कृतिक विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजेश खुल्लर और महानिदेशक डॉ अमित अग्रवाल के दिशा निर्देशन में 'मेरी माटी मेरा देश' अभियान के तहत सांग उत्सव का सफल आयोजन किया गया।

नेता जी सुभाष चंद्र बोस सांग के मंचन के दौरान उनकी जीवन की कथा को बताया गया कि 'बंगाल प्रान्त के कटक शहर में पं जानकी नाथ बोस रहते थे। 23 जनवरी, 1897 में शनिवार के दिन जानकी नाथ बोस के घर एक बच्चे ने जन्म लिया जिसका नाम सुभाष चंद्र बोस रखा गया। वे युवा होने पर लन्दन ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी पढ़ने चले गए। वहां से डिग्री प्राप्त करके 1921 में वापस कलकत्ता आ गए। उन्होंने भारत माता का गुलाम रहना उचित न समझा और स्वतंत्रता संग्राम में कूद पड़े। वे कई जगह उत्तेजित भाषण देने से अंग्रजों की हिट लिस्ट में आ गए। जिसकी वजह से उन्हें अपने ही घर में नजरबंद कर दिया गया। सांग में दर्शाया गया कि एक रोज भारत माता उनके सपने में आती है और सुभाष चंद्र को जगाती है और कहती है मुझे आजाद कराओ।

सांग का उल्लेखनीय पहलू महिला एवं पुरुष पात्रों का सजीव अभिनय रहा। मेहनत अंतिम दिन पूर्णमल के सांग में भी कलाकारों की खूब रही लेकिन मंच पर पात्रों का अनावश्यक संवाद खलता रहा। नूणा दे का अभिनय करने वाले पात्र ने जी तोड़ मेहनत की लेकिन पात्र के साथ न्याय की कमी रही। प्रयास अन्य पात्रों का भी रहा लेकिन उनका कथा में डूबने की बजाय औपचारिकता पूरी करने में ध्यान अधिक रहा। सांग से पूर्व भगत सिंह तेरा जी घबरावै रागनी खूब पसंद की गई। इससे पूर्व दूसरे दिन नेता जी के किस्से से 'बोस इसी साड़ी ल्यादे, दुख दूर उम्र भर का हो' खूब सराही गई।

उपस्थित दर्शकों ने विभाग के इस अनूठे प्रयास को प्रशंसनीय बताया। इस प्रकार के आयोजनों से न केवल हमारी प्राचीन संस्कृति को पहचान मिलती है बल्कि कलाकारों को अपनी कला के प्रदर्शन के लिए एक बेहतर मंच भी मिलता है। आम लोगों की राय है कि इस प्रकार के आयोजन गांव देहात में भी होते रहने चाहिएं।

- मनोज प्रभाकर

डॉ अमित अग्रवाल, भा.प्र.से. प्रबंध निदेशक, संवाद (सूचना जन संपर्क एवं भाषा विभाग) हरियाणा द्वारा हरियाणा सरकार के लिए कमरा नं. 314, दूसरी मंजिल, लघु सचिवालय, सेक्टर-1, पंचकूला से प्रकाशित।
कार्यालय : संवाद सोसायटी एससीओ 23, पहली मंजिल, सेक्टर 7, चंडीगढ़ फोन : 0172-2723814, 2723812 email : editorsamvad@gmail.com